भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3429

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा

†3429. श्री अनुराग शर्माः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की बुंदेलखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उस क्षेत्र की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सम्पत्तियों का लाभ उठाने की कोई व्यापक योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने संपर्क में सुधार लाने, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों को आकर्षित करने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की बुंदेलखंड को विरासत पर्यटन हेतु एक प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने, विशेषकर इसके जैन मंदिरों और किलों पर जोर देते हुए इन ऐतिहासिक विरासतों का परिरक्षण सुनिश्चित करने की कोई कार्यनीति है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) बुंदेलखंड क्षेत्र के लोगों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए पर्यटन क्षेत्र को स्थानीय उद्योगों के साथ किस प्रकार एकीकृत किया जा सकता है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): मंत्रालय बुंदेलखंड क्षेत्र में सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है। संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए सहायता, प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइट और सोशल मीडिया सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से इनका संवर्धन किया जाता है।

मंत्रालय ने जुलाई 2024 में भारत मंडपम, नई दिल्ली में विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए "अतुल्य भारत" प्रदर्शनी लगाई थी।

पर्यटन मंत्रालय अपने घरेलू पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देश भर में वेबिनार, क्विज, सेमिनार, पर्यटन प्रचार कार्यक्रम, फैम टूर, विरासत वॉक आदि जैसी विभिन्न गतिविधियां संचालित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश पीपुल्स चॉइस पोल लॉन्च किया जिसका उद्देश्य 5 पर्यटन श्रेणियों - आध्यात्मिक, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक, सांस्कृतिक एवं विरासत की श्रेणी में सबसे पसंदीदा पर्यटक आकर्षणों की पहचान करने के लिए नागरिकों से जुड़ना है।

पर्यटन मंत्रालय पर्यटन संबंधी अवसंरचना एवं सुविधाओं के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों की सहायता' की योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थाई एवं जिम्मेदारीयुक्त गंतव्य विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के तौर पर नया रूप दिया है।

'पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई)' के तहत भारत सरकार ने हाल ही में देश में 3295.76 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

बुंदेलखंड क्षेत्र सहित मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के लिए उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत निधियों का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ उनकी क्षेत्रीय संपर्कता योजना (आरसीएस-उड़ान) के तहत समन्वय किया है और इस उद्देश्य के लिए पहचान किए गए 53 पर्यटन मार्गों के लिए वाएबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) की राशि को साझा किया है।

रेल मंत्रालय ने नवंबर 2021 में भारत गौरव ट्रेनों के माध्यम से विश्व के समक्ष भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शित करने के उद्देश्य से 'भारत गौरव ट्रेन' नीति जारी की है। दमोह और चित्रकूट भारत गौरव ट्रेनों के कुछ यात्रा कार्यक्रमों में शामिल हैं। इसके अलावा, महाराजा एक्सप्रेस और डेक्कन ओडिसी जैसी पर्यटक ट्रेनें दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती हैं एवं अपने कुछ यात्रा कार्यक्रमों में खजुराहो और ओरछा जैसे स्थानों को कवर करती हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण बुंदेलखंड क्षेत्र में सभी 7 केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों का संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण करता है और वे भली-भांति परिरक्षित हैं। इसके अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अपने संरक्षित स्मारकों को भी आगंतुकों के अनुकूल बनाया है और

उन्हें आकर्षित करने के लिए सभी संभव सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान की हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकांश संरक्षित स्मारकों में जन सुविधाएं उपलब्ध हैं।

संरक्षित स्मारकों के परिरक्षण के संबंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा नियमित आधार पर संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। जैन मंदिरों और किलों सहित सभी संरक्षित स्मारकों का पुरातत्वविदों, पुरातत्वीय इंजीनियरों, संरक्षण सहायकों और अन्य क्षेत्र के विशेषज्ञों वाले पुरातत्वीय दल द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है। यह दल स्मारकों के संरक्षण के प्रति सदैव समुचित निगरानी रखता है और आवश्यकतानुसार यह दल स्मारकों के संरक्षण कार्य की पहचान करता है एवं पुरातत्वीय मानदण्डों तथा जीएफआर दिशानिर्देशों के अनुसार संरक्षण और परिरक्षण का कार्य करता है।

पर्यटन मंत्रालय "सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी)" की अपनी योजना के तहत देश भर में विभिन्न संस्थानों के माध्यम से अल्पावधि कौशल प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि अपार पर्यटन संभावना का पूर्ण रूप से लाभ उठाया जा सके और स्थानीय आबादी को नए एवं मौजूदा सेवा प्रदाताओं के रूप में व्यावसायिक विशेषज्ञता प्रदान की जा सके और इस प्रकार स्थानीय लोगों को और अधिक रोजगारयोग्य बनाया जा सके।

****

अनुबंध

श्री अनुराग शर्मा द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 16.12.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. +3429 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में)
1.	मध्य प्रदेश	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-दुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की-पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10
2.	मध्य प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास	74.02
3.	मध्य प्रदेश	विरासत परिपथ 2016-17	ग्वालियर- ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	89.82
4.	मध्य प्रदेश	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ा घाट- बाणसागर बांध- केन नदी का विकास	93.76
5.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
6.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45
7.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी (उन्नाव)-प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर-गोरखपुर-डुमरियागंज-बस्ती-बाराबंकी-आजमगढ़-कैराना-बागपत-शाहजहांपुर का विकास	71.91
8.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अंबेडकरनगर-अलीगढ़-फतेहपुर- देवरिया-महोबा-सोनभद्र-चंदौली- मिश्रिख-भदोही का विकास।	67.51
9.	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किले (बांदा) - मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआरशहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	36.65
10.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21

11.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास	12.03
12.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	राज्य	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	अनुमोदित लागत (करोड़ रू. में)	स्वीकृति की तिथि
1	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	फूलबाग अनुभव क्षेत्र	16.73	29-02-2024
2	मध्य प्रदेश	चित्रकूट	चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव	27.21	05-03-2024
3	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल अनुभव	13.02	05-03-2024
4	उत्तर प्रदेश	नैमिषारण्य	वैदिक- वेलनेस एक्सपीरियंस	15.94	05-03-2024

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत (करोड़ रू. में)	जिला
मध्य प्रदेश	1	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	अन्नूपुर
	2	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	खंडवा
उत्तर प्रदेश	3	वाराणसी का विकास -चरण-I	2015-16	18.73	वाराणसी
	4	मथुरा-वृंदावन का मेगा टूरिस्ट परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	मथुरा
	5	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	वाराणसी
	6	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	मथुरा
	7	वाराणसी का विकास - चरण-II	2017-18	44.60	वाराणसी
	8	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	मथुरा

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों की सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृत राशि (लाख रू. में)
1.	मध्य प्रदेश	2020-21	आईटीडीसी द्वारा बेलताल झील,	आईटीडीसी	2315.30

			दमोह, मध्य प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना		
2.	उत्तर प्रदेश	2013-14	आगरा कैंट रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	505.00
3.	उत्तर प्रदेश	2013-14	रायबरेली रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	444.00
4.	उत्तर प्रदेश	2017-18	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों पर प्रकाश व्यवस्था- 1. दशाश्वमेध घाट से दरबंगा घाट (300 मीटर का हिस्सा) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	सीपीडब्ल्यूडी	293.55
5.	उत्तर प्रदेश	2014-15	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों पर प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का मकबरा और बनारस में मान महल)	आईटीडीसी	512.43

'पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई)' के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रू. में)**
1.	मध्य प्रदेश	ओरछा एक मध्यकालीन वैभव	99.92
2.	मध्य प्रदेश	भोपाल में एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर	99.38
3.	उत्तर प्रदेश	बटेश्वर, जिला- आगरा का विकास	74.05
4.	उत्तर प्रदेश	एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास, श्रावस्ती	80.24

पिछले पांच वर्षों में आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत सहायता प्राप्त मेलों और महोत्सवों एवं कार्यक्रमों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य का नाम	**वर्ष**	**मेलों और महोत्सवों के नाम**	**स्वीकृत की गई राशि (लाख रु. में)**
मध्य प्रदेश	2014-15	मेले, महोत्सव और कार्यक्रम	33.00
	2015-16	मेले और महोत्सव	19.00
	2016-17	पचमढ़ी उत्सव, पचमढ़ी और जल महोत्सव, हनुवंतिया	22.00

		विश्व पर्यटन दिवस समारोह (ii) शरद उत्सव, भेड़ाघाट (जबलपुर) और (iii) मांडू उत्सव	20.00
	2017-18	(ii) जल महोत्सव, हनुवंतिया (iii) खजुराहो नृत्य उत्सव	50.00
	2018-19	पचमढ़ी उत्सव और जल महोत्सव	35.00
		खजुराहो नृत्य महोत्सव	15.00
	2019-20	पचमढ़ी उत्सव, पचमढ़ी	10.00
		जल महोत्सव, हनुवंतिया	15.00
		खजुराहो नृत्य महोत्सव	25.00
	2020-21	बैगा ओलंपिक	20.00
	2021-22	पचमढ़ी उत्सव, पचमढ़ी	10.00
		जल महोत्सव, हनुवंतिया	25.00
		खजुराहो नृत्य महोत्सव	15.00
	2022-23	जल महोत्सव, हनुवंतिया	25.00
		खजुराहो नृत्य महोत्सव	15.00
	2023-24	जल महोत्सव हनुवंतिया	22.12
		नर्मदा महोत्सव	10.00
		गांधी सागर फ्लोटिंग महोत्सव	35.00
उत्तर प्रदेश	2016-17	गंगा महोत्सव, वाराणसी	25.00
		शिल्पोत्सव, नोएडा	30.00
	2017-18	शिल्पोत्सव, नोएडा	25.00
		नैमिषारण्य, सीतापुर में सांस्कृतिक/पर्यटन विकास पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन	25.00
	2018-19	शिल्पोत्सव, नोएडा	30.00
		ताज महोत्सव	25.00
		गंगा महोत्सव	25.00
	2019-20	गंगा महोत्सव-वाराणसी	15.00
		दीपोत्सव, अयोध्या	25.00
		ताज महोत्सव, आगरा	10.00
	2022-23	फिरोजाबाद महोत्सव	25.00
	2023-24	फिरोजाबाद महोत्सव	25.00
		हाथरस महोत्सव	25.00

****